

अध्याय - 6 | हैलोऐल्केन तथा हैलोएरीन

QUIZ
PART-02

1. ऐल्किल हैलाइड (R—X) का सामान्य नाम कैसे लिखा जाता है?

- A. हैलोजन + ऐल्किल
B. ऐल्किल समूह + हैलाइड
C. केवल हैलाइड
D. केवल ऐल्किल (B)

व्याख्या: सामान्य नाम पद्धति में ऐल्किल समूह के बाद हैलाइड लिखा जाता है, जैसे एथिल क्लोराइड।

2. IUPAC नामकरण में R—X यौगिकों को किस प्रकार माना जाता है?

- A. मुख्य श्रृंखला
B. हैलाइड यौगिक
C. हैलो-प्रतिस्थापी यौगिक
D. ऐरोमैटिक यौगिक (C)

व्याख्या: IUPAC पद्धति में हैलोजन को हैलो-प्रतिस्थापक माना जाता है।

3. IUPAC नामकरण के पहले चरण में क्या चुना जाता है?

- A. प्रतिस्थापक
B. मूल श्रृंखला
C. कार्यात्मक समूह
D. हैलोजन (B)

व्याख्या: IUPAC नियमों के अनुसार सबसे पहले मूल कार्बन श्रृंखला का चयन किया जाता है।

4. 1-ब्रोमोप्रोपेन का सामान्य नाम क्या है?

- A. आइसोप्रोपाइल ब्रोमाइड
B. n-प्रोपाइल ब्रोमाइड
C. सेक-प्रोपाइल ब्रोमाइड
D. टर्ट-प्रोपाइल ब्रोमाइड (B)

व्याख्या: $\text{CH}_3\text{CH}_2\text{CH}_2\text{Br}$ का सामान्य नाम n-प्रोपाइल ब्रोमाइड होता है।

5. विसिनल डाइहैलाइड का सामान्य नाम क्या होता है?

- A. ऐल्कलिडीन हैलाइड
B. ऐल्कलीन डाइहैलाइड
C. पॉलीमेथिलीन डाइहैलाइड
D. ट्राइहैलाइड (B)

व्याख्या: विसिनल डाइहैलाइड का सामान्य नाम ऐल्कलीन डाइहैलाइड होता है।

6. α, ω -डाइहैलाइड का सामान्य नाम क्या होता है?

- A. ऐल्कलिडीन हैलाइड
B. ऐल्कलीन डाइहैलाइड
C. पॉलीमेथिलीन डाइहैलाइड
D. जैम डाइहैलाइड (C)

व्याख्या: α, ω -डाइहैलाइड को सामान्य नाम में पॉलीमेथिलीन डाइहैलाइड कहा जाता है।

7. ऐरिल डाइहैलाइड में ortho, meta, para का क्रमशः IUPAC में कौन-सा क्रम होता है?

- A. 1,2 - 1,3 - 1,4
B. 1,3 - 1,4 - 1,5
C. 1,1 - 1,2 - 1,3
D. 2,3 - 3,4 - 4,5 (A)

व्याख्या: o = 1,2 ; m = 1,3 ; p = 1,4 के रूप में दर्शाए जाते हैं।

8. C—X बन्ध की प्रकृति कैसी होती है?

- A. अपध्रुवीय
B. ध्रुवीय
C. सहसंयोजी नहीं
D. आयनिक (B)

व्याख्या: हैलोजन की विद्युतऋणात्मकता कार्बन से अधिक होने के कारण C—X बन्ध ध्रुवीय होता है।

9. C—X बन्ध की बन्ध-लम्बाई का सही क्रम क्या है?

- A. C—I < C—Br < C—Cl < C—F
B. C—F < C—Cl < C—Br < C—I
C. C—Cl < C—F < C—I < C—Br
D. C—Br < C—F < C—Cl < C—I (B)

व्याख्या: F से I की ओर जाने पर परमाणु आकार बढ़ने से बन्ध-लम्बाई बढ़ती है।

10. $\text{CH}_3\text{-F}$ की बन्ध एन्थैल्पी सबसे अधिक क्यों होती है?

- A. क्योंकि फ्लोरीन सबसे भारी है
B. क्योंकि फ्लोरीन का परमाणु आकार सबसे बड़ा है
C. क्योंकि C—F बन्ध सबसे छोटा और सबसे प्रबल होता है
D. क्योंकि फ्लोरीन धातु है (C)

व्याख्या: फ्लोरीन का परमाणु आकार सबसे छोटा होने से C—F बन्ध सबसे मजबूत होता है, इसलिए उसकी बन्ध एन्थैल्पी अधिक होती है।